महालिङ्ग विभो

रागम् - शिवरन्जनि

ताळम् - आदि

महालिङ्ग विभो
गुहा निहित स्वयं प्रभो।
चिदंबरेशेन श्री त्यागराजेन
श्री वक्रतुण्डेन गणाधिपेन
प्रणवार्थदेशिक-स्वामिनाथेन
वन दुर्गा क्षेत्रेण परिवेष्टित - महालिङ्ग विभो॥
पञ्च महाभूत भुवनत्रयाधीश
पञ्च रथ मण्डित पञ्च महाक्षेत्रेश
बृहदंब-हृदयेश पालय
जनान् पालय पालय
बन्धात् मोचय मोचय मोचय
धर्मान् स्थापय स्थपय स्थापय - महालिङ्ग विभो॥

Latest composition of
PUJYA SWAMIJI